**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1133**

**20.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने हेतु सऊदी अरब का प्रस्ताव**

**1133. श्री रंजिब बिस्वाल:**

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्‍या यह सच है कि सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान के विवादित मुद्दों के समाधान में मदद करने हेतु प्रस्ताव किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या सरकार ने पाकिस्तान की सत्ता में नई सरकार के आने के बाद उस देश के साथ औपचारिक अथवा अनौपचारिक रूप से कोई बातचीत की है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है उसके परिणाम क्या हैं; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**[जनरल (डा.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त)]**

**(क)** जी, नहीं।

**(ख)** शिमला समझौते (1972) के तहत और जैसाकि लाहौर घोषणा (1999) में पुनः दुहराया गया है, भारत और पाकिस्तान दोनों अपने सभी लंबित मुद्दों को द्विपक्षीय तरीके से सुलझाने के लिए वचनबद्ध हैं। किसी भी तीसरे पक्षकार की भूमिका अथवा मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है।

**(ग) से (ङ)** भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने पाकिस्तान में अगस्त 2018 में नई सरकार के गठन के पश्चात् अपने पाकिस्तानी समकक्षों को बधाई दी।

तथापि, पाकिस्तान की नई सरकार के साथ कोई सुनियोजित वार्ता नहीं हुई है, परंतु दोनों देशों ने नियमित रूप से आधिकारिक बातचीत के चैनलों को बनाए रखा है जिनमें संबंधित उच्चायुक्तों तथा सीमा सुरक्षा बलों की बातचीत शामिल है। इन चैनलों के माध्यम से निरंतर यह बताया गया है कि भारत पाकिस्तान के साथ एक सामान्य पड़ोसी के दोस्ताना संबंध चाहता है। तथापि, कोई भी सार्थक बातचीत आतंकवाद, दुश्मनी तथा हिंसामुक्त माहौल में ही हो सकती है। इस प्रकार का सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार करना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है।

\*\*\*\*\*